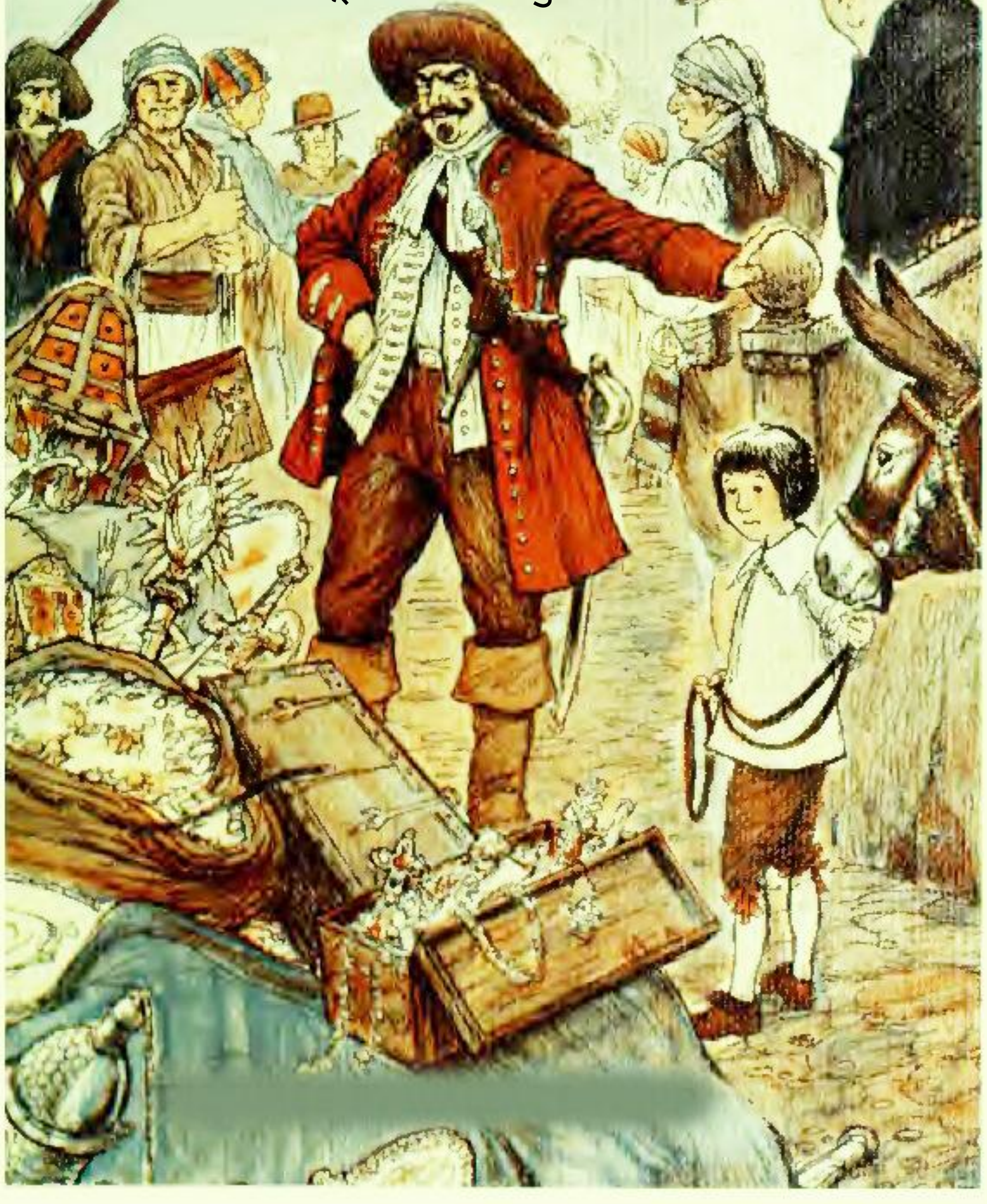
पनामा में डकैत

लेखनः एफ. एन. मोंजो

चित्रः वॉलेस ट्रिप

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा



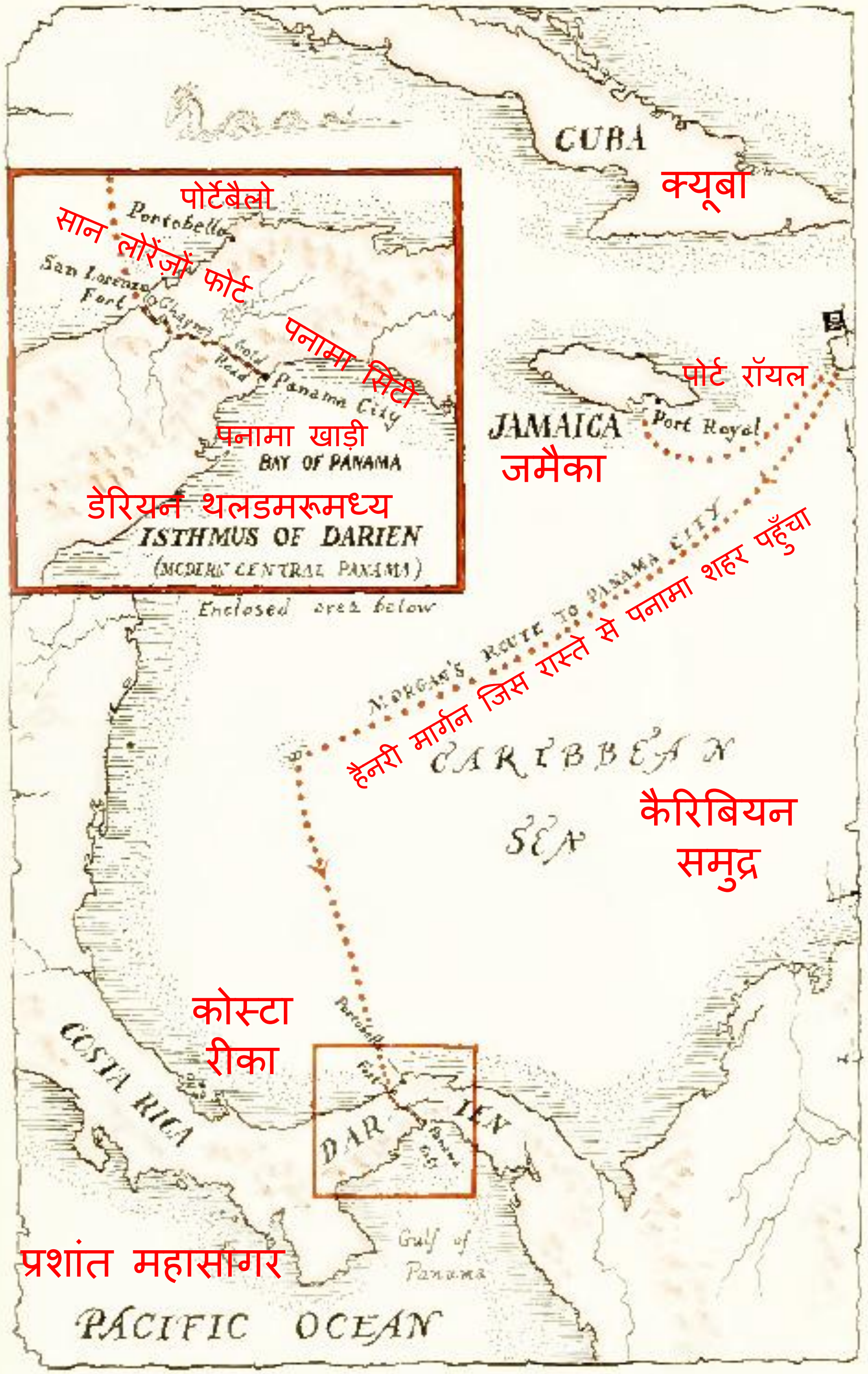


पनामा में डकैत

लेखनः एफ. एन. मोंजो

चित्रः वॉलेस ट्रिप

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा





1. सोने की वेदी

ब्रदर जॉन पनामा के सबसे
खुश मिजाज़ इन्सान थे।
अपने गिरजे के ऊपर से वे
शहर के हरेक घर को देख सकते थे।



वे पनामा में सबसे प्यार करते थे।

वे वहाँ के राज्यपाल डॉन लूईस से प्यार करते थे।



वे कंजूस डॉन पेद्रो से प्यार करते थे।



वे नासमझ डॉना मार्गरीता से प्यार करते थे।

पर सबसे ज़्यादा प्यार ब्रदर जॉन

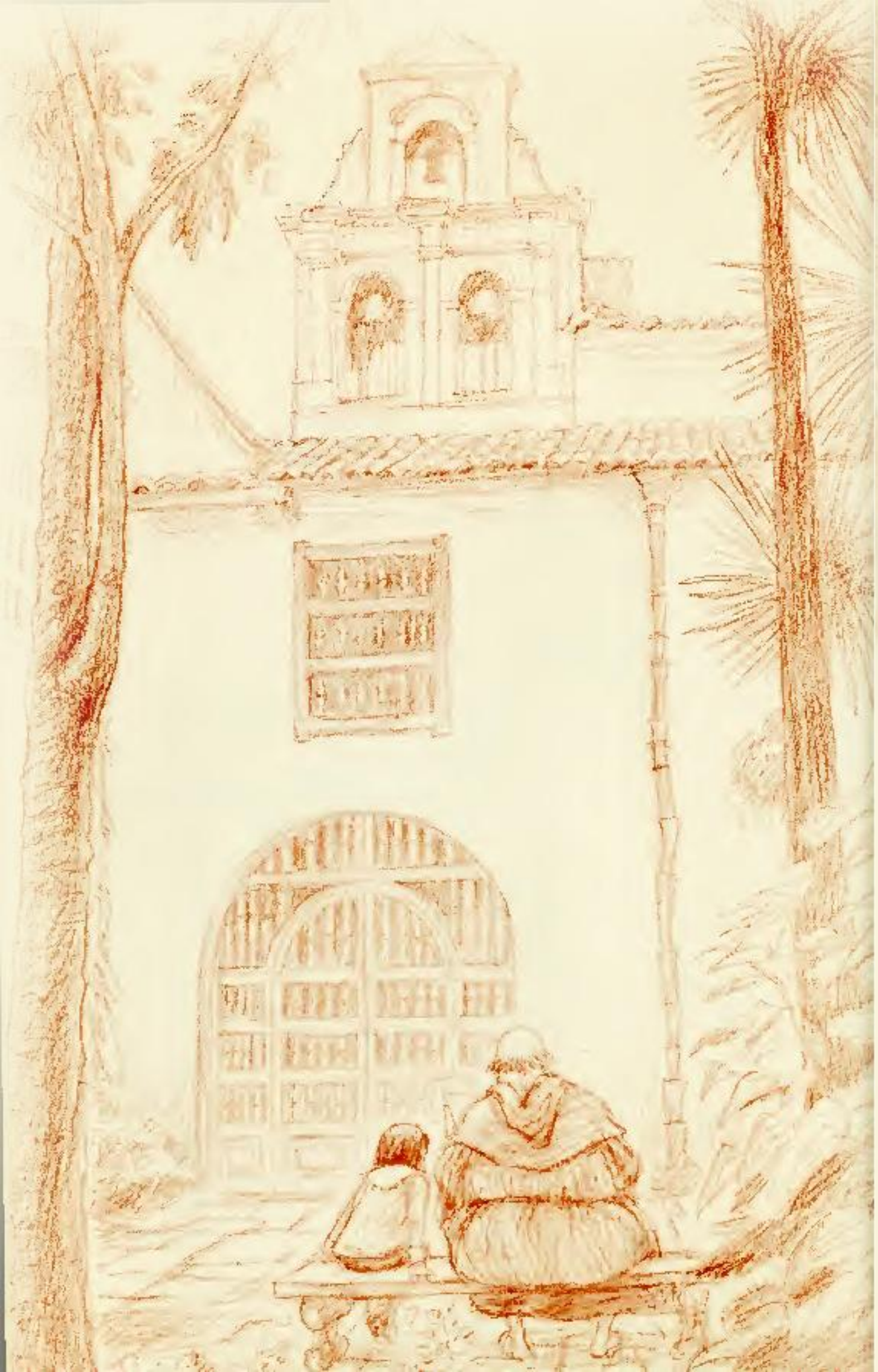


बेनितो नाम के एक छोटे लड़के से करते थे।



बेनितो की न ममा थीं, ना ही पापा।
बेनितो के ममा और पापा मर चुके थे।
"ब्रदर जॉन कहते हैं कि मेरी ममा और मेरे पापा फरिश्तों के साथ हैं," बेनितो ने मारिपोसा से कहा, जो एक गधी थी।
मारिपोसा ने अपना सिर हाँ में तीन बार हिलाया।
उसकी लगाम में लगी चाँदी की घंटियाँ "टन, टन, टनाक" बजीं।







सो बेनितो
ब्रदर जॉन के साथ रहने आ गया।
ब्रदर जॉन ने उसे पढ़ना सिखाया।
बाग के बड़े फव्वारें में उसे
मछलियाँ पकड़ना सिखाया।
उन्होंने बेनितो को अंगूर की लता की छंटाई करना सिखाया।
खुबानी के पेड़ों को पानी पिलाना सिखाया।
ब्रदर जॉन ने उसे अपने साथ हर इतवार
को गिरजे में प्रार्थना करना सिखाया,
उस दिन सब लोग गिरजे आते थे।
और उन्होंने उसे वेदी को झाड़-पोंछ कर साफ़ करना सिखाया।

"मारिपोसा," बेनितो ने कहा।
ब्रदर जॉन चाहते हैं कि हमारी वेदी
समूची दुनिया की
सबसे सुन्दर वेदी हो।"



गधी मारिपोसा ने अपना सिर
तीन बार हाँ में हिलाया, उसकी घंटियाँ
बोलीं "टन, टनाक, टन।"



"हम दो बड़ी सीढ़ियाँ लेंगे, बेनितो,"
ब्रदर जॉन ने कहा।
"हम ठेठ ऊपर से शुरू करेंगे।
हम पहले फरिश्ते को झाड़ेंगे।
तब हम खुदा, हमारे पिता
की तस्वीर को झाड़ेंगे।
और तब सारी मूर्तियों को
एक-एक कर झाड़ेंगे।



“ठीक है ब्रदर जॉन,” बेनितो ने कहा।
सो वे दो लम्बी सीढ़ियों पर
वेदी के ठेठ ऊपर तक चढ़े।
उन्होंने फरिश्ते को झाड़ा।
इसके बाद खुदा, सबके पिता की
तस्वीर को साफ़ किया।
उन्होंने संत जोसेफ को झाड़ा।
संत मेरी को झाड़ा।
उन्होंने शिशु यीशू को झाड़ा।
जब तक वेदी पर सब कुछ
लौ-सा जगमगाने न लगा।
“यह पूरी दुनिया की सबसे खूबसूरत
वेदी होगी,” बेनितो ने तब कहा
जब वे झाड़ने-बुहारने का काम पूरा कर चुके।
“ज़रा देखिए तो, वेदी कैसी चमक रही है।”
“हाँ, चमक तो रही है,” ब्रदर जॉन ने कहा।
“वह सोने के कारण चमक रही है।”
“सोना?” बेनितो ने पूछा।
“बेशक बेनितो,” ब्रदर जॉन बोले।
“वेदी का अधिकतर हिस्सा सोने से मढ़ा है।
किसी दिन इसमें सोने के सिवा कुछ न होगा।
ख़ालिस सोना, ऊपर से नीचे तक।
तब पनामा के सभी लोग इसे
सुवर्ण वेदी कहेंगे।”





बेनितो ने पल भर सोचा।
"मेरे ममा और पापा जन्नत में
फरिश्तों के साथ हैं," उसने कहा।
"क्या जन्नत भी इस वेदी जितनी
सुन्दर है?"
"नहीं बेनितो," ब्रदर जॉन ने कहा।
"जन्नत तो तुम्हारी ममा और पापा के लिए
सोने से मढ़ी इस वेदी से
सौ गुना ज़्यादा सुन्दर है।"
सो बेनितो को वेदी और भी प्यारी लगने लगी
क्योंकि वह जन्नत जितनी सुन्दर न थी।
"ब्रदर जॉन," बेनितो ने कहा,
"आप तो ग़रीब हैं।
तो फिर आपको सोने की इस वेदी
के लिए इतना पैसा कैसे मिला?"
"चलो मैं तुम्हें दिखाता हूँ,"
ब्रदर जॉन ने कहा।

वे दोनों मारिपोसा पर सवार हो
पनामा शहर की ओर निकल पड़े।





2. सेना, मोती और डकैत

ब्रदर जॉन और बेनितो
कंजूस डॉन पेद्रो के घर की ओर बढ़े।
वह पनामा का सबसे अमीर आदमी था।
''आह, डॉन पेद्रो,'' ब्रदर जॉन ने कहा।
''आप मेहरबानी से मुझे
सोने के तीन सिक्के दे दो।
''तीन और सोने के सिक्के?''
डॉन पेद्रो ने पूछा।



“वेदी के लिए डॉन पेद्रो,” ब्रदर जॉन ने कहा।
“हमारी वेदी पूरी नहीं हुई है।
पर किसी दिन वह पूरी तरह से
हर जगह सोने से मढ़ी होगी।
हमारी वेदी पूरी दुनिया की
सबसे खूबसूरत वेदी होनी ही चाहिए।”

“तो वेदी के लिए सोना पाने का
यह तरीका है?” बेनितो ने कहा।
“यही तरीका है,” ब्रदर जॉन बोले।
और मारिपोसा ने हाँ में अपना सिर
तीन बार हिलाया।
उसकी लगाम की घंटियाँ बजीं
“टनाक, टन, टनाक!”

इसके बाद वे नासमझ डॉना मार्गरीता
के घर गए।
“आह, डॉना मार्गरीता,” ब्रदर जॉन ने कहा।
“मेहरबानी से आप मुझे
दो बड़े मोती दे दें।”



"और मोती ब्रदर जॉन?"
डॉना मार्गरीता ने कहा।
"वेदी पर सजी
संत मेरी के मुकुट के लिए।"
"ओह, वेदी!" डॉना मार्गरीता ने कहा,
और उन्होंने ब्रदर जॉन को
दो बड़े गुलाबी मोती दे दिए।



इसके बाद वे पनामा के राज्यपाल
डॉन लूईस के घर गए।
"डॉन लूईस," ब्रदर जॉन ने कहा।
"मैं फिर से यहाँ हूँ।"
"ब्रदर जॉन," डॉन लूईस ने कहा,
"कहीं आपने आज का दिन वेदी के लिए
और सोना मांगने के लिए तो नहीं चुना है?"
"जी हाँ, वेदी के लिए और सोना," ब्रदर जॉन बोले।
"एक दिन हमारी वेदी सोने से मढ़ी होगी।
फरिश्ते से लेकर फर्श तक।
ऊपर से नीचे तक। हर जगह
सोने से मढ़ी होगी।"
"सोने से मढ़ी?"डॉन लूईस ने चीख कर कहा।

"ब्रदर जॉन, जल्द ही पनामा में
रत्ती भर सोना तक नहीं बचेगा!
डकैत सारा का सारा सोना लूट ले जाएंगे!"
"डकैत?" ब्रदर जॉन ने चौंक कर पूछा।
"डकैत?" बेनितो ने कहा।
"डकैत!" पनामा के राज्यपाल डॉन लूईस ने कहा।
"एक हज़ार से भी ज़्यादा अंग्रेज़ डकैत,
हैनरी मॉर्गन के नेतृत्व में आ रहे हैं!"
"मैंने तो हैनरी मॉर्गन का नाम तक नहीं सुना,"
ब्रदर जॉन ने कहा।
"आह," डॉन लूईस ने कहा, "इसलिए, क्योंकि
आप अपनी वेदी के अलावा कुछ सोचते ही नहीं, ब्रदर जॉन!
पनामा में बाकी सभी लोगों ने
हैनरी मॉर्गन के बारे में सुना है।
उसने मेरे आधे से ज़्यादा सिपाहियों को बन्दी बना लिया है,
और चार्जेस के बड़े पत्थर के किले तक को पिछले सप्ताह उड़ा दिया।
पर ब्रदर जॉन ने कुछ सुना ही नहीं।
मैंने, डॉन लूईस ने, उसके पास हरकारा भेजा,
और मैंने पूछाः "हैनरी मॉर्गन तुमने
मेरे पत्थरों से बने बड़े किले को फतह कैसे कर लिया?
तुमने किस ज़बरदस्त हथियार का इस्तेमाल किया?
और हैनरी मॉर्गन ने मुझे दो बन्दूकें भेजीं, जो वह अपनी कमर में बांधे रखता था।
उसने कहलवाया "हमने साधारण बन्दूकों का इस्तमाल किया था, डॉन लूईस।
और अब हम जंगल से



अपना रास्ता निकालेंगे। हम पहाड़ पार करेंगे
और तुम्हें दिखा देंगे कि हम अपनी बन्दूकें कैसे काम में लेते हैं -
तब, जब हम पनामा को फतह कर लेंगे!"
"हैनरी मॉर्गन ने आपको यह संदेसा भेजा?"
ब्रदर जॉन ने पूछा।
"पनामा में सबने इसे सुना," डॉन लूईस ने कहा।
"सबने सिवा ब्रदर जॉन के।"
"तब तो वह बेहद दुष्ट डकैत होगा," बेनिता बोला।
"वह डकैतों में सबसे ख़तरनाक डकैत है,"
डॉन लूईस ने कहा। "कल वह पहाड़ों से उतरेगा।
मैं डॉन लूईस और मेरे सिपाही
उसे रोकने की कोशिश करेंगे।
कल दोपहर तक वह
पनामा के सामने होगा।"



"तो फिर मैं वेदी को कैसे बचाऊँ, डॉन लूईस?"
ब्रदर जॉन ने घबरा कर पूछा।
"वेदी को कैसे बचाओगे?"
डॉन लूईस चीख कर बोला।
"मैं पनामा को कैसे बचाऊँ?"



3. छिपाने को कुछ है

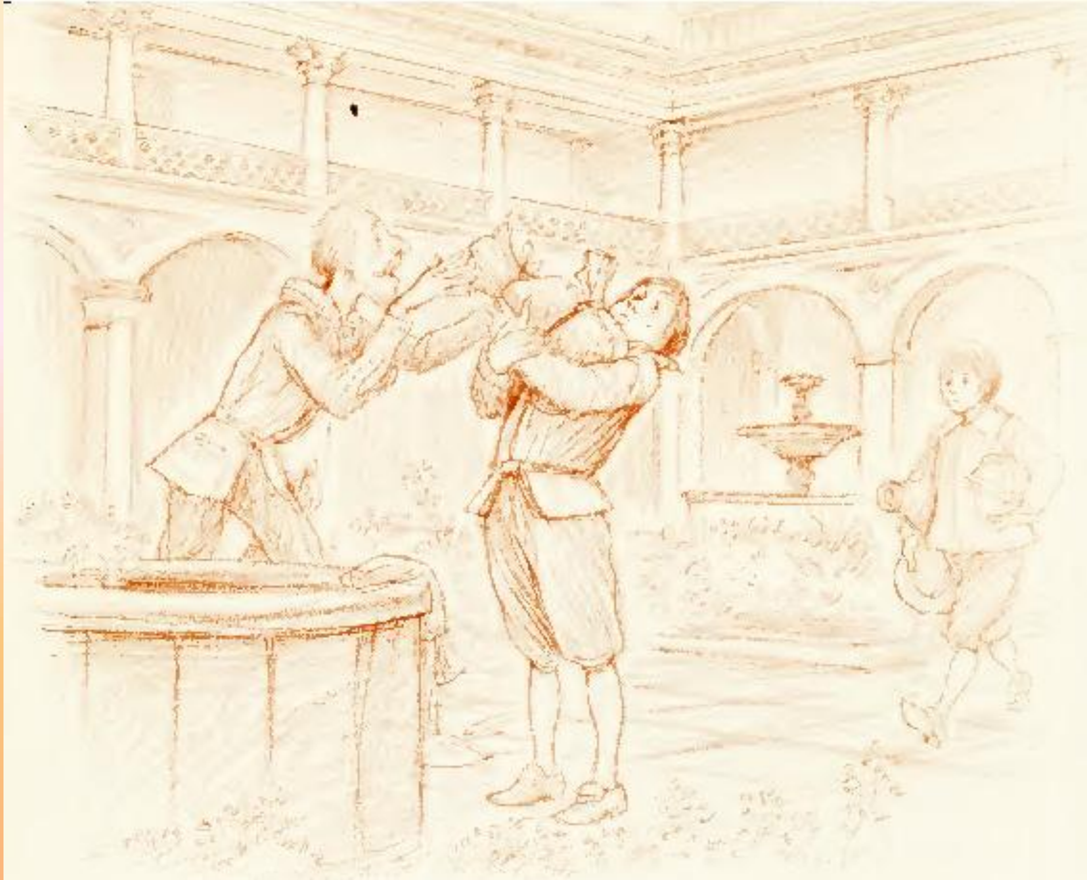
ब्रदर जॉन और बेनितो
गधी मारिपोसा पर बैठ उदास लौटे।
"क्या डकैत हैनरी मॉर्गन मेरी ममा और मेरे पापा
को नुकसान पहुँचा सकता है?" बेनितो ने पूछा।
"नहीं बेनितो," ब्रदर जॉन ने जवाब दिया।
"तुम्हारे ममा और पापा तो जन्नत में हैं
फरिश्तों के साथ।
हैनरी मॉर्गन उनका कोई बिगाड़ नहीं कर सकता।"

“क्या हैनरी मॉर्गन हमारी वेदी को
नुकसान पहुँचा सकता है?” बेनितो ने पूछा।
“हाँ, यह तो वह कर सकता है,” ब्रदर जॉन ने कहा।
“बशर्ते हम उसे बचाने का कोई उपाय न तलाश लें।”

जब वे पनामा से गुज़र गिरजे लौट रहे थे,
उन्होंने सड़कों पर आदमियों और औरतों को देखा।
“आपने ख़बर सुनी?” वे चिल्लाए।
“अपना सोना छिपा दो! अपनी चाँदी छिपा दो!
डकैत हैनरी मॉर्गन
पनामा आ रहा है!”







ब्रदर जॉन और बेनितो ने
डॉन पेद्रो को देखा। वह अपने बगीचे में था।
वह एक कुंए के पास खड़ा था।
वह सोने और चाँदी से भरे बोरे
पानी में फेंक रहा था।
"मेरी चाँदी की सुराही लाओ!
मेरी चाँदी का थाल भी!
मेरी चाँदी की चम्मचें लाओ!"
उसने चाकरों को आवाज़ दी।
और डॉन पेद्रो ने सब कुछ कुंए के पानी में फेंक दिया,
ताकि उन्हें हैनरी मॉर्गन से बचा सके।

ब्रदर जॉन और बेनितो ने
डॉना मार्गरीता को देखा।
वे भी अपने बाग में थी।
"मेरी अंगूठियाँ लाओ! मेरे मनके लाओ!"
उसने आवाज़ दी।
उसने अपने सारे गहने
बाग में बने कुंए भी डाल दिए
ताकि उन्हें डकैत हैनरी मॉर्गन से बचा सके।



ब्रदर जॉन और बेनितो
गिरजे लौटे।
उन्होंने मारिपोसा को बाग में
केले के पेड़ से बांधा।
"अच्छी गधी बनना,"
ब्रदर जॉन ने उसे हिदायत दी।
"फूलों को मत खाना।
हरे केलों को मत खाना।
न ही आडुओं को खाना।
हमें हमारी सोने की वेदी को डकैतों से बचाना है।
हमें बहुत काम करना है।"
मरिपोसा ने अपना सिर हाँ में तीन बार हिलाया।
लगाम पर लगी चाँदी की घंटियाँ
"टन, टनाक, टनाक," बजीं।



"हम अपनी वेदी को भला कैसे बचाएंगे, ब्रदर जॉन?"
बेनितो ने सवाल किया।
"वह तो बहुत बड़ी है।
उसे कुंए में फेंक कर तो छिपाया नहीं जा सकता?"
"सही कह रहे हो बेनितो," ब्रदर जॉन ने जवाब दिया।
"कुंए में फेंकने के लिए वह बहुत बड़ी है।
हमें कुछ बेहतर करना होगा।
हमें दो सीढ़ियाँ चाहिए होंगी,
और कुछ बाल्टियाँ भी।
और पोतने के लिए दो बड़ी कूंचियाँ।
और हमें रात भर काम करना होगा।"





पर सबसे पहले उन्होंने सभी मूर्तियों को छिपाया।
तब ब्रदर जॉन और बेनितो ने दो
बड़ी बाल्टियों में सफेदी घोली।
तब उन्होंने अपनी सोने की वेदी के दोनों ओर
अपनी लम्बी सीढ़ियाँ लगाईं।
शुरुआत उन्होंने ठेठ ऊपर से की।
उन्होंने फरिश्ते को सफेदी से पोता।
तब ऊपर के हिस्से को।
तब वेदी की बगल की दीवारों को।
तब उसके तले को
उन्होंने घंटों-घंटों काम किया।



जब तक सुबह हुई
ब्रदर जॉन ओर बेनितो ने
सोने का कतरा-कतरा छिपा दिया था,
सफेदी की मोटी परत के नीचे . . .
सब कुछ सिवा छह मोमबत्तीदान के।

वे इतने थक चुके थे कि
वे वेदी के तले पसरे
और सो गए।
इधर मारिपोसा पूरी रात,
धीरज से चुपचाप इन्तज़ार करती रही,
वहीं केले के पेड़ के नीचे।
उसने आड़ू नहीं छुए,
न हरे केले।
और जब सुबह हुई वह भी गहरी नींद सो गई।





4. डकैत हैनरी मॉर्गन

ब्रदर जॉन और बेनितो
और उनकी गधी मारिपोसा
लड़ाई के दौरान सोते रहे।
उन्होंने डॉन लूईस को अपनी सेना के साथ
कूच करते पनामा में आते नहीं देखा।
उन्होंने हैनरी मॉर्गन और उसके भूखे डकैतों को
पहाड़ से धड़धड़ाते उतर हमला करते नहीं देखा।



डकैतों ने पिछले तीन दिनों से कुछ नहीं खाया था।
इसलिए क्योंकि डॉन लूईस ने अपने
इलाके में खाने लायक कुछ छोड़ा ही नहीं था।
अब डॉन लूईस ने एक चाल चलने की सोची।
ऐसी चाल जो हमलावरों को रोक सके।
उन्होंने सोचा कि वे भड़के हुए बैलों के झुंड
से डकैतों को रोक सकेंगे।
सो, डॉन लूईस ने अपने सिपाहियों से कहा कि
वे बैलों की सीगों पर मशालें बांध दे।
जब मशालों में आग लगा दी गई
सिपाहियों ने बौखलाए और नाराज़ बैलों को
हमलावर डकैतों की ओर खदेड़ा।
पर यह देख हैनरी मॉर्गन के सिपाही खुशी से हंसे।



वे इतने भूखे थे कि उन्होंने बैलों घेरा
और उन्हें मार डाला।
उन्होंने उनके माँस के टुकड़े काटे
और आग जला उन्हें भूना।
तब सभी डकैत बैठे
और डॉन लूईस की नाक के नीचे
भुने हुए माँस को बडे चाव से खाया।
जब वे भर-पेट खा चुके
वे जंग के लिए और भी बेहतर तैयार थे।

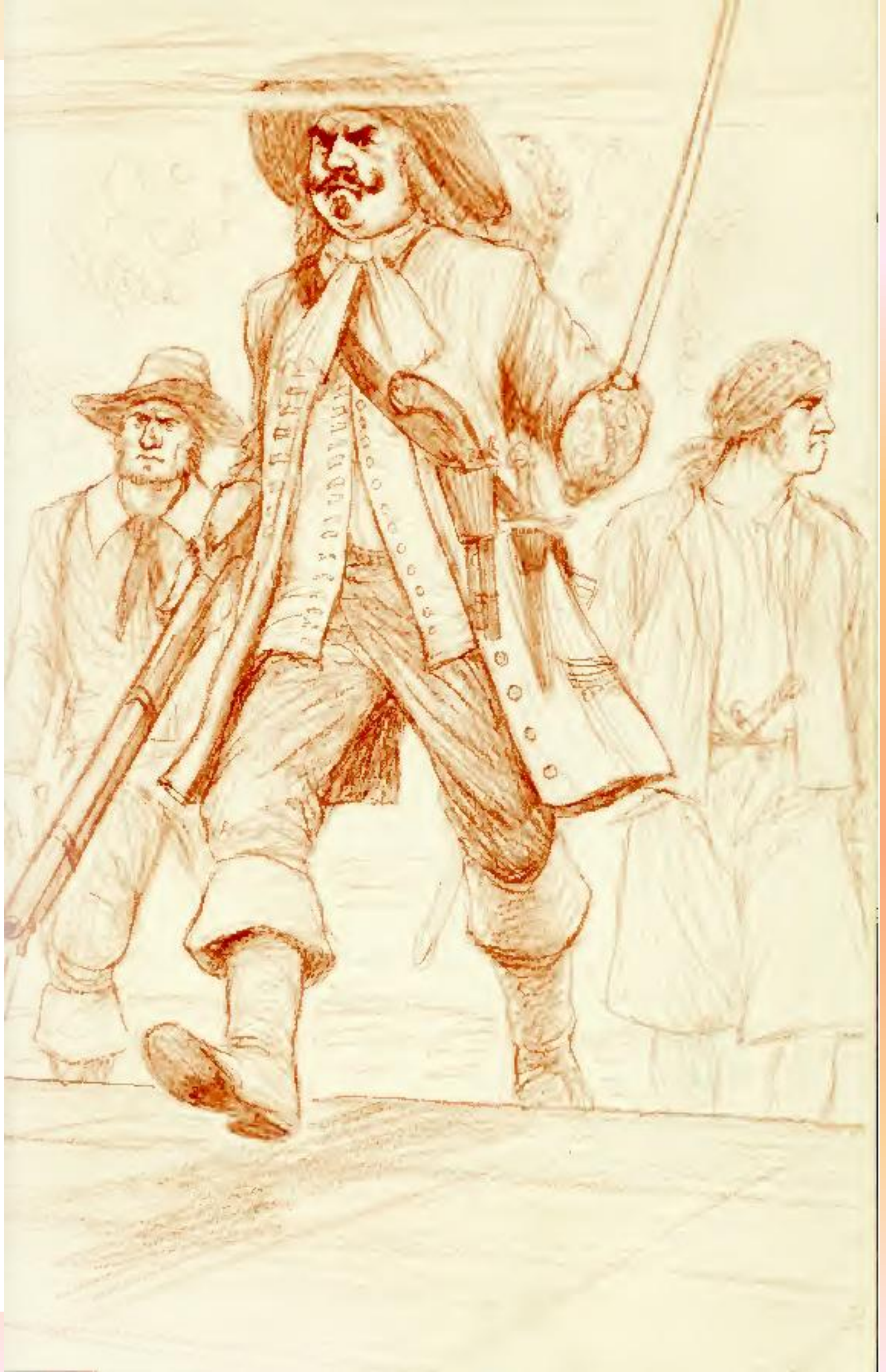
पर इस सबसे बेख़बर
ब्रदर जॉन और बेनितो सोते रहे।

उन्हें न चीखें सुनाई दीं, न तोपों से बरसे गोले।
उन्होंने न धुंआ देखा, न आग की लपटें।





वे तब भी नहीं जागे
जब हैनरी मॉर्गन और उसके डकैतों ने
डॉन लूईस और उसके सपाहियों को
वपस पनामा में धकेला।
वे तब भी सोते रहे
जब डॉन लूईस ने शहर के बाशिन्दों को कहाः
"जंग हारी जा चुकी है। पर हैनरी मॉर्गन
पनामा को हासिल नहीं कर सकेगा!
हम पूरे शहर को जला कर राख कर देंगे!"
ब्रदर जॉन और बेनितो तब भी सोते रहे
जब लोगों ने मशालें उठाईं
और अपने घरों में आग लगा दी।
वे तब तक भी नहीं हिले जब तक हैनरी मॉर्गन
धड़धड़ाता गिरजे तक न पहुँच गया।



"उठो!" हैनरी मॉर्गन गरजा।
"अगर यह गिरजा लकड़ी से बना होता,
तुम लोग सूअर के माँस जैसे
भुन जाते।"
शहर लपटों से लाल था।
हवा धुंए से भरी थी।
ब्रदर जॉन और बेनितो ने अपनी आँखें मसलीं।



सबको मेरे सामने हाज़िर करो!"
हैनरी मॉर्गन चीखा।
उसके साथी पनामा वासियों को
बेड़ियों मे जकड़ घसीट लए।
"अब बताओ तुम लोगों ने अपना
सोना-चाँदी कहाँ छिपाया है?"
हैनरी मॉर्गन ने पूछा।
"नहीं तो सबके गले चीर डालूंगा!"



कंजूस डॉन पेद्रो को हाज़िर किया गया।
"तुम्हारा सोना-चाँदी . . .?" हैनरी गरजा।
डॉन पेद्रो के घुटने काँप रहे थे।
"मेरे बगीचे में, कुंए के तल में,"
डॉन पेद्रो बुदबुदाया।
"उसे आसानी से निकाला जा सकता है,"
हैनरी मॉर्गन ने कहा।
सो, बेचारे डॉन पेद्रो को कुंए में फेंका गया
सारा सोना-चाँदी बाहर निकलवाना पड़ा।



तब नासमझ डॉना मार्गरीता हाज़िर की गईं।
वे इतनी घबराई हुई थीं कि बोल ही नहीं पा रही थीं।
"तुम्हारी अंगूठियाँ? तुम्हारे मोती?" कमर पट्टी से बंधे छुरे को घुमाते हैनरी मॉर्गन ने सख़्ती से पूछा।
"मेरे बाग में," डॉना मार्गरीता फुसफुसाई,
"मेरे कुएं में।"
"फिर तो उन्हें वापस निकालना मुश्किल नहीं,"
हैनरी मॉर्गन बोला।
सो डॉना मार्गरीता ने अपने गहने कुंए से निकलवाए और ठंडी साँसे भरते डकैतों के सरदार को थमा दिए।
पनामा के सभी बाशिन्दों को हैनरी मॉर्गन को वह सब दे देना पड़ा, जो भी उसने चाहा।
उसके पैरों के सामने सोने-चाँदी-जवाहरातों का एक बड़ा भारी ढ़ेर लग गया।



5. पनामा का सबसे बड़ा डकैत

अब हैनरी मॉर्गन ब्रदर जॉन की ओर मुड़ा।
"तुम्हारा सोना कहाँ है, ब्रदर जॉन?"
हैनरी मॉर्गन ने सवाल किया।
ये छह मोमबत्तीदान, क्या वे सोने के हैं?"
"हाँ सोने के ही हैं," ब्रदर जॉन ने कहा।
"उन्हें ले लो, सभी ले लो।
जितना सोना मिले सब ले लो।"
"और यह वेदी. . .?" डकैतों के सरदार ने पूछा।
"ऐसा क्यों है कि वेदी पर इतना कम सोना है?"

"सारी मूर्तियाँ कहाँ है?"
"दरअसल हमारी वेदी पूरी ही नहीं हुई है . . .,"
ब्रदर जॉन ने जवाब दिया।
"हालांकि किसी दिन वह बेशक
सोने और जवाहरातों से जगमगाएगी।"
"हम्म्म्म्म!" हैनरी मॉर्गन ने कहा।
"मैं इस छोकरे से बात करूंगा।
बेनितो, मेरी आँखें से आँखें मिलाओ!
बताओ वेदी का सारा सोना कहाँ है?"
बेनितो ने ब्रदर जॉन को देखा।
उसने जन्नत में अपने ममा और पापा की बात सोची।
तब उसने ब्रदर जॉन की सुन्दर वेदी की बात सोची।
सोचा कि वह किस तरह आग की
लपटों-सी चमचमाया करती थी।
बेनितो डरा हुआ था।
पर वह हैनरी मॉर्गन को
सोने के बारे में कुछ भी नहीं बताने वाला था,
चाहे कुछ भी क्यों न हो।
चाहे हैनरी मॉर्गन उसका गला ही ज़िबह क्यों न कर दे।
"वेदी का सोना है कहाँ बेनितो?"
हैनरी मॉर्गन गुर्राया।





"किसी दिन," बेनितो बुदबुदाया,
"हमारी पूरी वेदी सोने से मढ़ी होगी।
फरिश्ते से लेकर फर्श तक। ऊपर से लेकर नीचे तक।"
"देखा हैनरी मॉर्गन," ब्रदर जॉन ने कहा।
"लड़का आपको कुछ नहीं बता सकता।
और फिर हमारी वेदी पूरी तरह तैयार भी नहीं हुई . . .।"
"आप मारिपोसा की लगाम पर लगी
घंटियों के बारे में तो भूल ही गए,"
बेनितो ने डकैतों के सरदार से कहा।
"वे खाँटी चाँदी की हैं। क्या आपको वे भी चाहिए?"
"गधी की घंटियाँ उसीके पास रहने दो,"
हैनरी मॉर्गन ने कहा।
"हम पनामा से बाकी सब तो हड़प ही चुके हैं।
साथियों, सारा सोना समेटो! मोती बटोरो!
घर लौटने का समय आ चुका है!"



"रुको भी हैनरी मॉर्गन," ब्रदर जॉन ने कहा।
"तुमने हमारे खज़ाने ले लिए हैं।
बदले में एक अहसान तो बनता है।"
"क्या अहसान चाहते हो ब्रदर जॉन?"
हैनरी मॉर्गन ने जानना चाहा।
"आह," ब्रदर जॉन ने ठंडी साँस छोड़ते कहा,
"हमें हमारी वेदी के लिए थोड़ा-सा सोना चाहिए।
आज यह कितनी बेनूर है, सबको दिख ही रहा है।
पर किसी दिन यह समूची वेदी
सोने से मढ़ी होनी चाहिए . . ."

"मैं जानता हूँ," हैनरी मॉर्गन हंसा।
"फरिश्ते से लेकर फर्श तक।
ऊपर से लेकर नीचे तक।
हर ओर, सब कुछ सोने से मढ़ा।
जैसा बेनितो ने पहले ज़िक्र किया था।
काश, मैं वह नज़ारा अभी देख सकता,
सब कुछ सोने से मढ़ा!"

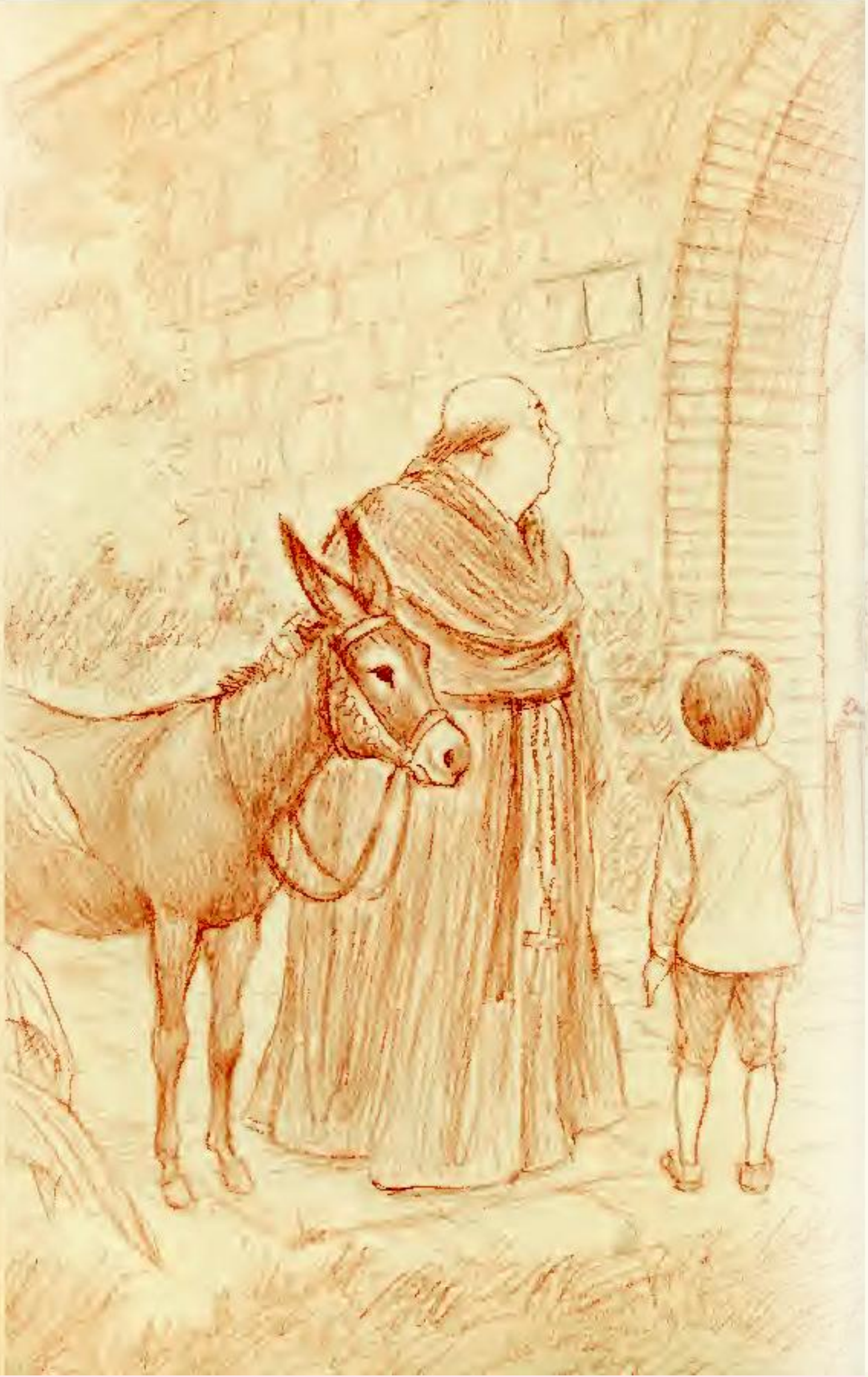


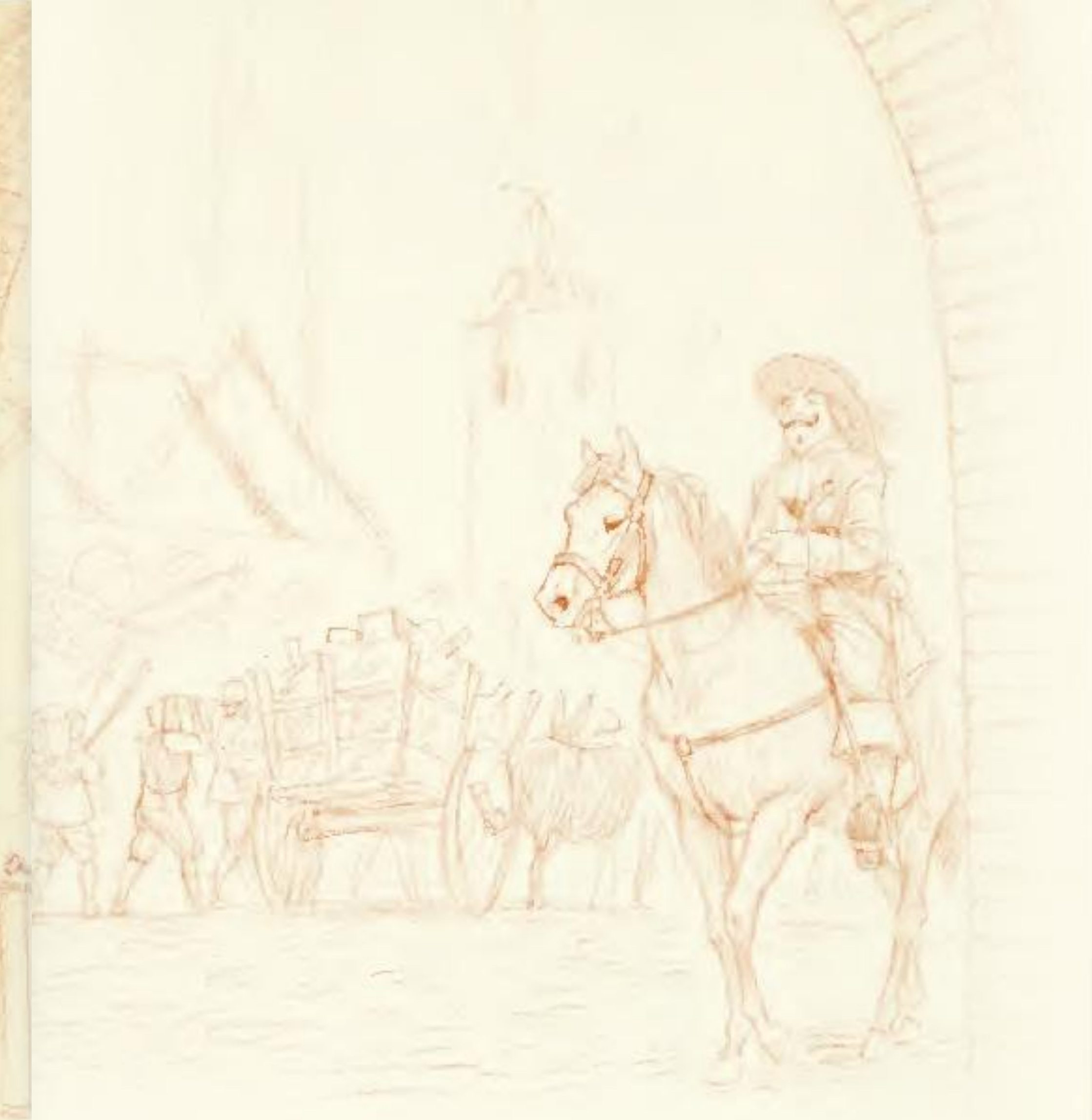
“ख़ैर ब्रदर जॉन,
तुम मुझसे कितना सोना चाहते हो?”
“दस हज़ार सिक्के,” ब्रदर जॉन ने झट से कहा।



“दस हज़ार सिक्के?” हैनरी मॉर्गन हंसा।
“ठीक है, तुम्हें क्यों न मिलें ये सिक्के, ब्रदर जॉन?
आख़िर मैंने पनामा का सब कुछ ले जो लिया है।”
उसने ब्रदर जॉन की ओर
सोने की सबसे भारी थैली उछाली।
वह कूद कर अपने घोड़े पर सवार हुआ
और चिल्लाया, “तैयार हो साथियों!
हम पनामा छोड़ रहे हैं! चलो कूच करो!”
डकैत तहस-नहस शहर से
धमधमाते चल पड़े।







ब्रदर जॉन और बेनितो
केले के पेड़ के नीचे मारिपोसा के पास खड़े थे।
हैनरी मॉर्गन उनके पास आया।
वह ब्रदर जॉन को देख मुस्कराया,
और बेनितो को आँख मारी।



''जब तुम्हारी सोने से मढ़ी वेदी पूरी हो जाए,
मुझे पनामा बुलाना मत भूलना।''
इतना कह डकैत नीचे झुका और फुसफुसायाः
''पता है ब्रदर जॉन, इसके पहले कभी
हैनरी मॉर्गन से किसीको दस हज़ार सिक्के नहीं मिले।
तुम तो मुझसे भी बड़े डकैत हो!''
इतना कह हैनरी मॉर्गन ने फिर से बेनितो को आँख मारी।



और गधी मारिपोसा ने
अपना सिर हाँ में तीन बार हिलाया।
और उसकी लगाम पर लगी घंटियाँ
बजीं, "टन, टनाक, टन!"



उपसंहार

लगभग सभी लोग इस बात से सहमत हैं कि हैनरी मॉर्गन जमैका के द्वीप से जलदस्युओं की एक सेना के साथ चार्जेस् पहुँचा था। उसने चार्जेस् के किले को गोलाबारी से उड़ा दिया था। तब जंगल के बीच से होता हुआ, थलडमरूमध्य के पहाड़ों को पार कर उसने 1671 में पनामा को फतह कर लिया था। वे यह भी मानते हैं कि उसने पनामा को बुरी तरह से लूटा था। बाद में नया शहर पुराने पनामा से कुछ मीलों की दूरी पर फिर से बसाया गया था। लोग इस बात से भी सहमत हैं कि हैनरी मॉर्गन लूटे हुए सोना-चाँदी से इतना अमीर हो गया कि चार्ल्स द्वितीय ने उसे सर हैनरी मॉर्गन के ख़िताब से नवाज़ा और उसे जमैका का राज्यपाल बना दिया।

पर इस घटना के बाद पनामा में जो कुछ हुआ, उस पर कोई सहमति नहीं है। कुछ लोग कहते हैं कि हैनरी मॉर्गन एक सम्मानजनक सिपाही था, तो दूसरे कि वह एक क्रूर डकैत से अधिक कुछ नहीं था। कुछ कहते हैं कि सोने की वेदी को ब्रदर जॉन ने बचा लिया था, जैसा इस कहानी में बताया गया है, दूसरों के हिसाब से यह बात महज एक किंवदंती है।

आज जो लोग पनामा के चर्च ऑफ सान होसे देखने जाते हैं, वे सोने की वेदी को देख पाते हैं। वहाँ के ऑगस्टीनियन पादरी आपको ब्रदर जॉन की कहानी सुना सकते हैं, क्योंकि पनामा के लोग सैकड़ों सालों से चुटकियाँ ले ब्रदर जॉन के कारनामों का बखान करते आए हैं। वे बताते हैं कि ब्रदर जॉन ने वेदी को डकैतों से - ज़रा सी सफेदी, तुरत बुद्धि, और बेइन्तहा प्यार से - कैसे बचाया था।

1671 में दरअसल क्या घटा होगा, यह कोई नहीं जान सकता। सो मैंने तय किया कि ब्रदर जॉन के सम्मान में इधर-उधर थोड़ा बहुत जोड़ा जा सकता है। पर अधिकतर कहानी मैंने उसी तरह बयान की है, जैसे वह आज भी पनामा में सुनाई जाती है। इस उम्मीद के साथ कि वह सही होगी।